

संलिप्त वि. (तत्.) गर्क, लीन, प्रसक्त, लगा हुआ।

संलीन वि. (तत्.) 1. पूर्णतः लीन, आच्छादित 2. चिपका हुआ 3. जुड़ा हुआ 4. छिपाया हुआ, गुप्त रखा हुआ, दहला हुआ 5. सिकुड़ा हुआ, सिकन पड़ा हुआ, संकुचित।

संलेख पुं. (तत्.) 1. दो या दो से अधिक देशों के बीच होने वाली संधि का वह हस्ताक्षर युक्त प्रारूप जिस पर संधि की मुख्य बातें लिखी होती हैं, संधि का मसौदा 2. पूरा परहेज, संयम।

संलोड़न पुं. (तत्.) बाधा, गड़बड़ स.क्रि बाधा डालना, गड़बड़ करना।

संवत् पुं. (तत्.) सन-वर्ष, साल, किसी प्रकार की वर्ष-गणना में एक वर्ष यथा सन् 2008 ईसवी यानि संवत् 2065 विक्रमी, विक्रम संवत्सर।

संवत्सर पुं. (तत्.) 1. वर्ष, साल 2. प्राचीन पंचवर्षीय युग की गणना में प्रथम वर्ष 3. विक्रमादित्य के काल से प्रचलित वर्ष-गणना में प्रथम वर्ष।

संवत्सरीय वि. (तत्.) संवत्सर-संबंधी, संवत्सर की, प्रतिवर्ष होने वाला, वार्षिक।

संवदन पुं. (तत्.) 1. वार्तालाप, मिलकर बातें करना 2. समाचार 3. परीक्षण 4. ख्याल 5. मंत्र ताबीज।

संवदना स.क्रि. (तत्.) 'संवदन' करना दे. संवदन।

संवद्धि स्त्री. (तत्.) 1. बढ़ने की क्रिया या भाव, बढ़ोत्तरी, वृद्धि 2. समृद्धि।

संवन्न पुं. (तत्.) 1. तंत्र-मंत्र आदि से वश में करना, वशीकरण 2. प्राप्ति 3. प्रेम।

संवर पुं. (तत्.) जैन. 1. रोकना, आत्मसंयम, दमन, सहनशीलता, कर्मों के प्रवाह का रुकना, आस्रव-निरोध बौद्ध. एक प्रकार का व्रत 2. पसंद, चुनाव 3. जलाशय का बाँध, पुल।

संवरण पुं. (तत्.) 1. रोकना, बंद करना 2. बहाना करना 3. आत्म संयम, आत्मनिग्रह, किसी चित्तवृत्ति को दबाना, दमन, सहनशीलता 4.

पसंद करना, चुनना 5. जलाशय का बाँध 6. गोपन करना, छिपाना, बहाना, छद्म वेश करना, आच्छादन, ढँकना, छिपाव, दुराव, दूर करना, हटाना, अंत करना 7. कन्या का अपने लिए वर/पति चुनना 8. समाप्ति।

संवरणीय वि. (तत्.) छिपाव, परदा, घेरा, जिसका संवरण हो सकता हो या होना चाहिए, संवरण योग्य, जिसका संवरण किया जाने वाला हो जो वरण/विवाह के योग्य हो, वरणीय।

संवर्ग पुं. (तत्.) 1. कोटि, वर्ग, श्रेणी, समुच्चय, समूह; एकवस्तु का दूसरे में लीन होना, मिश्रण 2. अनुभवी कार्यकर्ताओं का दल 3. अपने लिए छीन-झपटकर बटोरना, भक्षण करना, चट कर जाना।

संवर्जन पुं. (तत्.) छीनता, हरण करना, खा जाना।

संवर्त पुं. (तत्.) 1. फेरा, लपेट, घुमाव, मोड़ 2. नाश, कल्प का अंत, प्रलय 3. बहुत जल वाला बादल, प्रलयकालीन सात मेघों में से एक, वर्ष, घना समूह, राशि. मुकाबला करना, पिंड, गोला, लपेटी हुई पत्तल 4. धूमकेतु, विभीतक, बहेड़ा 5. संग्रह, समुच्चय।

संवर्तक वि. (तत्.) 1. लपेटने वाला, संवर्त करने वाला, प्रलय करने वाला, नाश करने वाला, प्रलय कालीन आदि 2. वड़वानल पुं. 3. (श्रीकृष्ण के भाई) बलराम का हल, बहेड़ा।

संवर्तकल्प पुं. (तत्.) 1. संसार का नियतकालिक प्रलय, संसार में प्रलय होने पर उठने वाले सात बादलों में से एक 2. वर्ष।

संवर्तकी पुं. (तत्.) बलराम का एक नाम, बलदेव।

संवर्तन पुं. (तत्.) लपेट, घुमाव, फेरा, फेर, एक दिव्यास्त्र, किसी ओर ले जाना, प्रवृत्त करना।

संवर्तनी स्त्री. (तत्.) 1. लपेटने वाली रस्सी या अन्य कोई वस्तु 2. प्रलय।

संवर्तनीय वि. (तत्.) 1. फेरा, लपेट, घुमाव वाला या इनके योग्य 2. नाशवान 3. कल्पित वाला, प्रलय वाला 4. संग्रहणीय 5. संवर्त के योग्य।